

16/5/24

प्रा. वंश दुई । वादी व वादी वगील अनुपायित । वादी
द्वे उमते वगील को वा. - वा. आवाज दिक्वाई गई
व्यवहृत आवाज वादी व उमते वगील कोई श्री - मापालप
शब्दा उपायित नहीं हुए।

अतः शब्दा वादी अक्षर शक्ति अक्षर योगी न
व्यापित किया जाता है । पञ्चावली फेजल शुभल शब्द
नंवा न कम किया जायत वायित हलल ही

